भजन

तर्ज–खुश रहे तू सदा ये दुआ है मेरी

'तेरी वाणी ने इतना उजाला किया,
चौदह लोको में जो न समाये पिया'।

अर्श वाले पिया प्राणनाथ मेरे,
तुम ही तुम हो सदा साथ मेरे

1–आपको देखकर हमको ऐसा लगा
अपना अर्शे अजीम का नाता जगा
मेहर की छांव मे दिन रात मेरे
2–आपने तो धनी ऐसी धनवट करी
आके इलम ईलाही की फजर करी
अर्शे सुर मे सजे नगमात मेरे
3–चरणों से आपके ही तो निसबत मेरी
आपसे ही पिया जी है वाहेदत मेरी
सुख निधान सदा श्री राज मेरे